प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – विशिष्ट हिन्दी

कक्षा – दसवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक में प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक में प्रत्येक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 21 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

(i) सूरदास.....के शिष्य थे।

(वल्लभाचार्य/परमानन्द)

(ii) कामायनी.....एक है।

(महाकाव्य/खण्डकाव्य)

(iii) निन्दा रस नामक निबंध में.....तत्व की प्रधानता है।

(हास्य/व्यंग्य)

(iv) सरदार सुजान सिंह.....के दीवान थे।

(रामगढ़ देवगढ़)

(v) द्विवेदी युग के निबंधकार.....है।

(महावीर प्रसाद द्विवेदी/रामचन्द्र शुक्ल)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

(अ) प्रकृति के सुकुमार कवि है –

(क) निराला (ख) पंत

(ग) प्रसाद (ग) महोदवी वर्मा

(ब) आधुनिकता होती है –

(क) स्थिर (ख) अचूक

(ग) गतिशील (घ) चपल

(स) मेवाड़ के नरेश है –

(क) वीरसिंह (ख) महाराणा लाखा

(ग) अभय सिंह (घ) हेमूराव

(द) 'दीपक की आत्म कथा' में कुम्हार को कहा गया है –

(क) शिष्य (ख) गुरू

(ग) विद्वान (घ) मूर्ख

(इ) वैदिक ऋचायें होती है –

(क) मातायें (ख) ऋषिमुनि

(ग) बेटियां (घ) कोमलें

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य बताइये –

1. बिहारी रीतिकाल के कवि है।
2. रक्षाबंधन पारिवारिक कहानी है।
3. वीर रस का स्थायी भाव निर्वेद है।

4. दो वर्णों के मेल को संधि कहते है।

5. पारस में लोहे को सोने में बदलने का गुण होता है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यांशों की सही जोड़ी बनाइये–

	क	–	**ख**
1.	सेवाग्राम	–	तत्पुरूष समास
2.	सोलह कलाओं के अवतार	–	महात्मा गांधी
3.	देशभक्ति	–	श्रीकृष्ण
4.	सूफी संत कवि	–	मैला आंचल
5.	प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास	–	जायसी

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. भगिनी निवेदिता किसकी शिष्या थी?
2. 'अमरकंटक' शब्द संस्कृत के किस शब्द से बना है?
3. बिना विचारे काम करने से क्या होता है?
4. हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग किसे कहते है?
5. जिसके समान कोई दूसरा न हो?

प्रश्न 6. सूरदास ने स्वयं को कुटिल खल कामी क्यों कहा है?

अथवा

कवि के अनुसार किस प्रकार के वृक्ष के नीचे विश्राम करना चाहिए।

प्रश्न 7. सम्मानीय होने के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है?

अथवा

'मैंने आहुती बनकर देखा' कविता का मूल भाव लिखिए।

प्रश्न 8. रीतिकाल की प्रमुख दो विशेषताएं और किन्हीं दो रीतिकालीन कवियों एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

अथवा

छायावाद की कोई दो विशेषताएं तथा किन्हीं दो छायावादी कवियों एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 9. कहानी किसे कहते है? कहानी और उपन्यास में अंतर लिखिए। (कोई–2)

अथवा

संस्मरण किसे कहते है? किसी एक संस्मरण लेखक एवं उनके संस्मरण का नाम लिखिए।

प्रश्न 10. देश के सामूहिक मानसिक बल का ह्रास कैसे हो रहा है?

अथवा

बूढ़ा जौहरी आड़ में बैठा क्या देख रहा था?

प्रश्न 11. ज्ञान और दीपक के आपसी सम्बंध को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संयम को समझाइये।

प्रश्न 12. वक्रोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

गीतिका छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 13.(अ) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए –

(i) कितना सुहावना मौसम है (आश्चर्य बोधक)

(ii) राम बाजार गया है (संदेहवाचक)

(iii) बुरे आदमी झूठ बोलते है (प्रश्नवाचक)

(ब) समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए– कोई दो।

(1) दशानन (2) नीलकमल (3) प्रतिदिन (4) राजपुत्र।

प्रश्न 14. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' अथवा राम बेनीपुरी का साहित्यिक परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए :–

1. दो रचनाएँ
2. भाषा शैली
3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 15. बिहारी अथवा नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएँ,
2. भावपक्ष, कला पक्ष,
3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 16. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :–

कबहूं ससि मांगत आरि करै कबहु प्रतिबिम्ब निहारि डरैं।
कबहूं करताल बजाइकै नाचत मातु सबै मन मोद भरैं।।

अथवा

छोड़ों मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनथ पर, भले व्योम फट जाए।
दो बार नहीं यमराज, कंठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।

तुक व्यं मरण के मुख पर चरण धरों रे!
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे!

प्रश्न 17. निम्न लिखित में से किसी एक गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिएः–

मनुष्य का मस्तिष्क एक मानवीय विकास का जो पूर्णतय आदर्श बन सकता है, वह हमें कृष्ण में मिलता है। नृत्य, गीत, वादित्र, वाग्मिता, राजनीति, योग, आध्यात्म ज्ञान सबका एकत्र समवाय कृष्ण में पाया जाता है। गो दोहन से लेकर राजसूय यज्ञ में पुरोहितों के चरण धोने तक तथा सुदामा की मैत्री से लेकर युद्ध भूमि में गीता के उपदेश तक उनकी ऊंचाई का एक पैमाना है, जिस पर सूर्य की किरणों की रंग–बिरंगी पेटी की तरह हमें अष्मिक विकास के हर एक स्वरूप का दर्शन होता है।

अथवा

शास्त्रों में सत्य और असत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की गई है। अनेक बार सत्य के स्थान पर मिथ्या भाषण सत्य से भी बड़ी वस्तु होती है। जीवन में धर्म से बड़ी कोई चीज नहीं है। धर्म की रक्षा यदि असत्य से होती है तो असत्य सत्य से बड़ा हो जाता है।

प्रश्न 18. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मनुष्य के जीवन में आरोग्य का बहुत महत्व है। मनुष्य का जीवन तभी सुखी हो सकता है जब वह निरोगी हो। जो मनुष्य निरोगी होगा वही सब प्रकार के पुरूषार्थ कर सकता है। जो मनुष्य रूग्ण है, जिसके शरीर में शक्ति नहीं है, वह किसी प्रकार का सुख संसार में अनुभव नहीं कर सकता है। अतः शरीर को निरोगी रखना अनिवार्य कर्तव्य है। शरीर की निरोगिता व्यायाम से आती है। व्यायाम के अनेक प्रकार है – जैसे घूमना, दौड़ना, तैरना, खेलना आदि। अतः शरीर को सुखमय बनाने के लिए सदा व्यायाम करना चाहिए तथा शरीर को निरोगी रखना चाहिए।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. शरीर में निरोगिता किस प्रकार से लाई जा सकती है?

प्रश्न 19. नगर निगम को आवेदन पत्र लिखिए, जिसमें नालियों की सफाई एवं कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का सुझाव दिया गया हो।

अथवा

अपने मित्र को पत्र लिखकर प्रातःकाल उठने का महत्व बताइये।

प्रश्न 20. निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए?

1. जल ही जीवन है।
2. विज्ञान का जीवन पर प्रभाव।
3. खेलों का महत्व।
4. प्राकृतिक आपदा (कारण एवं निदान)।
5. मेरी मनोरम यात्रा।
6. पर्यावरण प्रदूषण
7. बालिकाओं का घटता अनुपात– कारण और निदान।

– – – – – –

आदर्श उत्तर

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा–X

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

(i) वल्लभाचार्य

(ii) महाकाव्य

(iii) व्यंग्य

(iv) देवगढ़

(v) महावीर प्रसाद द्विवेदी

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन :–

1. पंत।
2. गतिशील।
3. महाराणा लाखा।
4. गुरू।
5. बेटियां।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन –

1. सत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. सत्य

5. सत्य

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सही जोडियां बनाइयें –

	क		**ख**
1.	सेवाग्राम	–	महात्मा गांधी
2.	सोलह कलाओं के अवतार	–	श्रीकृष्ण
3.	देशभक्ति	–	तत्पुरूष समास
4.	सूफी संत कवि	–	जायसी
5.	प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास	–	मैला आंचल

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. भगिनी निवेदिता स्वामी विवेकानन्द शिष्या थी।
2. 'अमरकंटक' शब्द संस्कृत के आम्रकूट शब्द से बना है।
3. बिना विचारे काम करने से पछताना पड़ता है।
4. हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग भक्ति काल को कहते है।
5. जिसके समान कोई दूसरा न हो – अद्वितीय।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. सूरदास भगवान श्री कृष्ण के भक्त है। वे भगवान से विनय करते है कि आप मेरा उद्धार कर दीजिए। सूरदास कहते है कि प्रभु ने कृपा कर मानव शरीर दिया और सांसरिक माया मोह में पड़कर प्रभु को भुला दिया है। सत्संग में जाने में आलस्य करना और सांसारिक माया मोह में पड़कर विषय वासनाओं की ओर भागना आदि जैसी आदतों के कारण ही सूरदास स्वयं को कुटिल खल कामी कहते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कबीर दास जी मानते है कि उसी वृक्ष के नीचे विश्राम करना चाहिए जो बारह महीने फल देता हो। उसके फलों से पेट भरता रहेगा। उस वृक्ष से ढंडी छाया मिलेगी। उस वृक्ष के फल खाकर तथा ढंडी छाया में बैठकर पक्षी भी क्रीड़ा करते रहेंगे। कबीरदास जी कहना चाहते है कि गंभीर व्यक्ति का सहारा लेना चाहिए ताकि किसी प्रकार का कष्ट न हो।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र बताना चाहते है कि मात्र उच्च पद पाने से ही व्यक्ति सम्मान के योग्य नहीं बन जाता है। सम्मानीय होने के लिए परोपकारी होना आवश्यक है। दूसरे का हित करने वाले व्यक्ति के प्रति सभी के मन में सम्मान का भाव हो जाता है। इसलिए परहित करके ही व्यक्ति सम्मान का पात्र बनता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'अज्ञेय' ने अपनी कवि 'मैने आहुति बनकर देखा' में स्पष्ट किया है कि यद्वपि जीवन मरणशील है इसमें पराजय भी है। इसमें गति को कुण्ठित करने वाले अनेक व्यवधान भी है। किन्तु इन्हीं सबके बीच जीवन की क्षमता विकसित होती है। संसार एक यज्ञ वेदिका जैसा है इसमें स्वाहा होकर ही जीवन को निखारा जा सकता है। कवि ने इस कविता में त्याग और तपस्या को महत्व प्रदान किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. दो विशेषताएं –

1. इस काल में श्रंगार प्रधान काव्य की रचना हुई।
2. नायिका का नख–शिख वर्णन एवं ब्रज भाषा का प्रयोग।

प्रमुख कवि		**रचनाएं**
बिहारी	–	बिहारी सतसई
केशवदास	–	रामचन्द्रिका

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

छायावाद की विशेषताएं –

1. प्रकृति का मानवीकरण रूप में चित्रण।
2. स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह।

छायावादी कवि		**रचनाएं**
जयंशकर प्रसाद	–	कामायनी
सुमित्रानन्दन पंत	–	पल्लव।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. कहानी वास्तविक जीवन की एक ऐसी काल्पनिक कथा है जो छोटी होते हुए भी पूर्ण और संसगठित होती है।

कहानी और उपन्यास में अंतर –

सं.क्र.	**कहानी**	**उपन्यास**
1	यह जीवन की किसी एक घटना पर लिखी जाती है।	यह संपूर्ण जीवन को लक्ष्य बनाकर लिखा जाता है।
2	इसमें पात्रों की संख्या कम होती है।	इसमें पात्रों की संख्या अधिक होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अपने प्रत्यक्ष सम्पर्क में रहे व्यक्ति का स्मृति परक रोचक गद्य में अंकन संस्मरण कहलाता है।

संस्मरण लेखक		**रचनाएं**
महादेवी वर्मा	–	अतीत के चलचित्र

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. लोग क्लबों में, मुसाफिर खानों में, बसों में प्रायः चर्चा करते है कि हमारे देश में यह नहीं हो रहा, वह नहीं हो रहा। सब गड़बड़ है, बड़ी परेशानी है। दूसरे देशों के साथ तुलना करते हुए अपने देश को हीन और दूसरे देश को महान सिद्ध करने का प्रयास करते है। इस तरह का व्यवहार राष्ट के लिए बहुत घातक है। इससे देश के शक्ति बोध को भारी चोट पहुंचती है। इसी कारण देश के सामूहिक मानसिक बल ह्रास हो रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि इसके विपरीत हम अपने देश की अच्छाईयों पर चर्चा करें और दूसरे देशों की तुलना में अपने देश की महानता को उजागर करें।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बूढ़ा जौहरी (सुजान सिंह) आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इन बगुलों में हंस कहां छुपा हुआ है। इसका आशय यह है कि सुजान सिंह उम्मीदवारों की भीड़ में उस व्यक्ति को परखने का प्रयास कर रहे थे जो दीवान पद के लिए पूर्णतः उपयुक्त हो। वे उस व्यक्ति कोतलाश रहे थे जिसके ह्रदय में साहस, आत्मबल और उदारता का वास हो। ऐसा आदमी गरीबों को कभी न सताएगा। उसका दृढ़ संकल्प उसके चित्त को स्थिर रखेगा। वह चाहे धोखा खा जाये परंतु दया और धर्म से कभी पीछे न हटेगा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. ज्ञान और दीपक का आपसी संबंध बड़ा ही घनिष्ठ है। जिस प्रकार ज्ञान का प्रकाश व्यक्ति के अज्ञानता रूपी अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार दीपक अंधेरे को दूर करके प्रकाश फैलाता है। ज्ञान व्यक्ति के अंदर के अंधकार को दूर करता है, दीपक बाह्य अंधकार को दूर करता है। फलतः ज्ञान ओर दीपक दोनों ही सहकर्मी, सहधर्मी तो हैं ही, आपस में भाई–भाई भी हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संयम का अर्थ है 'नियंत्रण'। संसार में संयम अतिआवश्यक है। बिना संयम के हर प्रकार के भोग हानिकारक होते है। इसलिए इन्द्रिय निग्रह या संयम आवश्यक माना गया है। इन्द्रियों का विषय सेवन संयमित नहीं होगा तो अनाचरण व्याप्त हो जायेगा। अतः जीवन में संयम का विशेष महत्व है। संयम बिना स्वस्थ समाज की रचना संभव नहीं है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. वक्रोक्ति अलंकार – जहां किसी उक्ति का अर्थ जानबूझकर वक्ता के अभिप्राय से भिन्न लिया जाए वहां वक्रोक्ति अलंकार होता है।

उदाहरण– कौन तुम? है घनश्याम हम।
तो बरसों कित जाई।।

स्पष्टीकरण– यहां राजा ने घनश्याम का अर्थ कृष्ण समझते हुए भी बादल से लगाया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गीतिका छन्द – गीतिका छन्द के प्रत्येक चरण में 26 मात्राएं होती है। 14 एवं 12 मात्राओं पर यति होती है। अन्त में लघु–गुरू (15) होता है।

उदाहरण – संसार की समर स्थली में, वीरता धारण करो।
चलते हुए निज इष्ट पथ पर, संकटों से मत डरो।।

जीते हुए भी मृतक सम रह, कर न केवल दिन भरो।
वर वीर बनकर आप अपनी, विघ्न बाधाएं हरो।।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) वाक्य परिवर्तन –

1. आह! कितना सुहावना मौसम है।
2. शायद, राम बाजार गया है।
3. क्या, बुरे आदमी झूठ बोलते है?

(ब) समास विग्रह –

1. दशानन– दशमुख वाला अर्थात रावण	–	बहुब्रीही समास
2. नीलकमल– नीला है कमल	–	कर्मधारय समास
3. प्रतिदिन– प्रत्येक दिन	–	अव्ययीभाव समास
4. राजपुत्र– राजा का पुत्र	–	तत्पुरूष समास

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 14. साहित्य परिचय– **कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'**

1. **रचनाएंः–** जिन्दगी मुस्कुराई, माटी हो गई सोना।
2. **भाषा शैलीः–** प्रभाकर जी की भाषा सरल एवं स्वाभाविक है। अन्य भाषाओं के प्रचलित, अर्थपूर्ण, प्रवाहमान शब्दों का खुलकर प्रयोग किया है। भाषा में मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग हुआ है। गद्य शैली में भावों एवं विचारों के प्रवाह के साथ–साथ विषय का सुंदर विवेचन किया है।
3. **साहित्य में स्थानः–** विचारों की उच्चता, आचरण की पवित्रता, जीवन में सादगी आपके व्यक्तित्व की विशेषताएं थी। हिन्दी गद्यकारों में आपका विशिष्ट स्थान है।

5 अंक

अथवा

साहित्य परिचय– **रामवृक्ष बेनीपुरी**

1. **रचनाएंः–** पतितों के देश में (उपन्यास), चिता के फूल (कहानी), माटी की मूरते (रेखाचित्र)।
2. **भाषा शैलीः–** इनकी भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। इनकी भाषा में ओज है। सशक्त भाषा, विचार और भावों को अभिव्यक्त करने में पूर्ण समर्थ है। वर्णनात्मक शैली में यात्रा वर्णन तथा रेखा चित्र, कथानक शैली में कहानी उपन्यास विचारात्मक शैली में निबंधों की रचना की है।
3. **साहित्य में स्थानः–** बेनीपुरी जी द्वारा साहित्य हिन्दी साहित्य की अनमोल धरोहर है। रेखा चित्रकार के रूप में इनका विशिष्ट स्थान है।

5 अंक

उत्तर 15. **साहित्य परिचय– बिहारी**

रचनाएं :– इनकी रचनाओं में 719 दोहों की रचना 'बिहारी सतसई' है।

भाव पक्ष कला पक्षः– बिहारी ने मुख्य रूप से श्रंगार रस की रचनाएं की है। इसके अतिरिक्त भक्ति, दर्शन, नीति, लोकव्यवहार और ज्योतिष आदि के दोहें है। इनकी भाषा ब्रज है। परंतु यत्र–तत्र अरबी–फारसी और बुंदेली शब्दों का प्रयोग हुआ है।

साहित्य में स्थान :– रीतिकालीन कवियों में आपका प्रमुख स्थान है।

5 अंक

अथवा

साहित्य परिचय– **बिहारी**

रचनाएं :– सतरंगे पंखों वाली, प्रेत का बयान।

भाव पक्ष कला पक्षः– नागार्जुन यथार्थवादी कवि रहे है। शोषितों एवं शोषक के प्रति विद्रोह का स्वर व्यक्त किया है। प्रेम सौंदर्य, राष्ट्रीयता, समसामयिक

गतिविधियों पर करारे प्रहार किये है। इनकी बोली सामान्य बोलचाल की खड़ी बोली है। छन्दबद्ध एवं छन्द युक्त रचनाएं, अलंकारों का प्रयोग।

साहित्य में स्थान :– आधुनिक हिन्दी कवियों में नागार्जुन का महत्वपूर्ण स्थान है।

5 अंक

उत्तर 16. पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– प्रस्तुत पद्य 'वात्सल्य भाव' पाठ के 'कवितावली' शीर्षक से अवतरित है।इसके रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी है।

प्रसंग :– प्रस्तुत पद्य में बालक राम की पल–पल परिवर्तित सुलभ चेष्टाओं का वर्णन किया है।

व्याख्या :– बालक राम कभी चन्द्रमा को मांगने का हठ करते है तो कभी अपनी परछाई देखकर डर जाते है। कभी दोनों हाथों से ताली बजाकर नाचते है तो सभी माताएं मन में प्रसन्नता का अनुभव करती है।

विशेषः– (1) बच्चे के पल–पल बदलने वाले चंचल स्वभाव का वर्णन किया है।

(2) वात्सल्य रस प्रधान है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– उद्‌बोधन, कवि– रामधारी सिंह दिनकर।

प्रसंग :– आन के लिए अपने प्राणों को बलिदान करने की बात कही गई है।

व्याख्या :– मनुष्य का चाहे सिर कट जाए पर उसे अपनी आन नहीं छोड़नी चाहिए। क्योंकिमृत्यु का देवता रामराज एक बार ही जीवन लेता है। मृत्यु जो निश्चित है, एक बार ही आती है। हर प्राणी संसार में एक ही बार मरता है। अतः मनुष्य को निर्भीक होकर अपनी आन के लिए स्वयं को मृत्यु के मुख में झोंक देना चाहिए। तभी सम्मान का जीवन जीना संभव होगा।

विशेषः– (1) खड़ी बोली का प्रयोग है।

(2) वीर रस और ओज गुण है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 17. गद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– लेखक का नाम– वासुदेव शरण अग्रवाल। पाठ का नाम– महापुरूष श्रीकृष्ण।

प्रसंग :– श्रीकृष्ण के सर्वगुण सम्पन्न व्यक्तित्व को उजागर किया गया है।

व्याख्या :– श्रीकृष्ण में मानव मस्तिष्क का पूर्णतम विकसित रूप विद्यमान था। सभी कलाएं, आध्यात्म, दर्शन चिन्तन, ज्ञान आदि का समन्वित रूप कृष्ण के व्यक्तित्व में समाहित था। गाय दुहने के छोटे कार्य से लेकर अवश्मेघ यज्ञ में पुरोहितों के चरण धोने तक का कार्य कृष्ण ने किया। उन्होंने अपने दीन–हीन मित्र सुदामा के साथ मित्रता का निर्वाह किया तो महाभारत के रण क्षेत्र में गीता का उपदेश देकर एक आदर्श मानदण्ड भी स्थापित किया। उनके द्वारा दिया गया गीता का ज्ञान मानव जीवन के आध्यात्मिक पक्ष के हर रूप को रंग बिरंगी किरणों की तरह आलोकित करता है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

अथवा

गद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– लेखक का नाम– सेठ गोविन्द दास। पाठ का नाम– सच्चा धर्म।

प्रसंग :– यहां बताया गया है कि धर्म की रक्षा हेतु बोला गया असत्य सत्य से भी बड़ा होता है।

व्याख्या :– अपनी पत्नि अहिल्या को समझाते हुए पुरूषोत्तम कहते है कि शास्त्रों में सत्य और असत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की गई है। बहुत बार ऐसी स्थिति होती है कि सत्य से झूठ अधिक श्रेष्ठ हो जाता है। मानव जीवन में

धर्म सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि झूठ से धर्म सुरक्षित होता है तो झूठ सत्य से भी बड़ा हो जाता है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–2, विशेष–1 कुल 5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश

4. शीर्षक – सबसे बड़ा धन।

5. सारांश – छात्र स्वविवेक से गद्यांश का सारांश लिखेगा।

6.शरीर में निरोगिता व्यायाम से लाई जाती है।

5 अंक

उत्तर 19.

अथवा

प्रिय मित्र अंश, दिनांक 21.10.2011

सदा प्रसन्न रहो!

तुम्हारा पत्र बहुत दिनों के बाद मिला। पत्र पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई। तुम्हारे पत्र से यह भी मालूम हुआ कि हायर सेकेण्डरी की परीक्षा में सामान्य ज्ञान में तुम्हें कम अंक प्राप्त हुए हैं जिसके कारण डिवीजन बिगड़ गया है। मैं तुम्हें कई बार समाचार पत्र पढ़ने के लिए कहा करता था, पर तुम नहीं पढ़ते थे। अब तुम्हें समाचार पत्र पढ़ने का महत्व ज्ञात हुआ होगा। वस्तुतः इससे बहुत लाभ मिलते है। देश विदेश में घटने वाली घटनाओं का ज्ञान इससे होता है। स्थानीय खबरे प्राप्त होती है। नौकरियों के विज्ञापन निकलते रहते है, जिनसे बेरोजगारों को नौकरी या रोजगार प्रारंभ करने में सहायता मिलती है। कई उपयोगी बातों की जानकारी भी समाचार के माध्यम से मिलती है तथा इससे हमारे सामान्य ज्ञान में अनायास वृद्धि होती है। अतः तुम्हें नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ना चाहिए।

शेष सब कुशल है। सभी बड़ों को प्रणाम तथा छोटों को प्यार।

तुम्हारा

सक्षम राठौर

(1+3+2 = 5 अंक)

उत्तर 20. **निबंध लेखन–**

पर्यावरण प्रदूषण

'मानवता पर बढ़ रह सत्त प्रदूषण भार।
मनुज अचेतन हो रहा कैसे हो उद्धार।।'

1. प्रस्तावना
2. वैज्ञानिक प्रगति और प्रदूषण
3. प्रदूषण का घातक प्रभाव
4. पर्यावरण शुद्धि
5. उपसंहार

प्रस्तावना – पृथ्वी का निर्माण करते समय प्रकृति की गोद में उज्जवल प्रकाश, शीतल जल एवं कोमल वायु नामक वरदान डालकर मनुष्य एवं अन्य जीव जंतुओं को एक स्वच्छ वातावरण दिया था जिसे मनुष्य में सरहदे खींचकर अपनी अभिलाषाएं पूरी करने हेतु प्रकृति को स्वामिनी के महत्वपूर्ण पद से हटाकर दासी के स्थान पर प्रतिष्ठित कर दिया हैं। मानव मन की जिज्ञासा और नयी–नयी खोजो की भूख ने प्रकृति के सरल कार्यों में हस्तक्षेप करना मुख्यतः चार स्वरूपों में दिखता है :–

(1) वायु प्रदूषण, (2) जल प्रदूषण, (3) प्रदूषण एवं (4) ध्वनि प्रदूषण

अंधकारमय भविष्य – मनुष्य ने वैज्ञानिक प्रगति की आंधी में बहकर वायु, जल, भूमि एवं ध्वनि प्रदूषण इतना बढ़ा दिया है कि उसके प्रकोप अब पलटकर मनुष्य पर ही पड़ रहे है मनुष्य ने प्रकृति को इतना विकृत कर दिया है कि यह किसी के लिए भी हितकर नहीं रहा है। पर्यावरण एक व्यापक शब्द है, जिसका समान

अर्थ है–प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया समस्त भौतिक और सामाजिक वातावरण। इसमें जल, वायु, भूमि, पेड़ पौधे, पर्वत तथा प्राकृतिक संपदा और परिस्थितियां आदि का समावेश होता है।

आज पर्यावरण प्रदूषण की वजह से जीवन दुखमय हो गया है। मनुष्य ने खनिजों हेतु खनन व्यापक स्तर पर किया एवं व्यापार के नाम पर बड़े–बड़े जहरीला धुआ उगलने वाले कारखानों का निर्माण किया है। इन्ही कारखानों ने जल में अपना कचरा फैलाया जिससे जल प्रदूषण बढ़ा। जंगलों को तो बचने भी नहीं दिया जिससे प्राणियों के रहने की जगह की समस्या उत्पन्न हो गई। वैज्ञानिक प्रगति की मोह माया में मनुष्य ने अपनी माता तुल्य गंगा मैया तक नहीं बख्शा है। कृषि में रासायनिक खाद को प्रयेग में लाकर मनुष्य ने अनेक प्रकार के रोगों एवं विषैले प्रभाव को जन्म दिया है। इस प्रकार वैज्ञानिक प्रगति पर्यावरण प्रदूषण में सहायक बनी।

प्रदूषण का घातक प्रभाव – आधुनिक युग में संपूर्ण संसार पर्यावरण के प्रदूषण से पीड़ित हैं। हर सांस के साथ इसका जहर शरीर में प्रवेश पाता है और तरह–तरह की विकृतियां पनपती है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि प्रदूषण की इस बढ़ती हुई गति से एक दिन पृथ्वी प्राणी तथा वनस्पतियों से विहीन हो सकती है। एवं सभ्यता तथा प्रगति एक बीती हुई कहानी बनकर रह जाएगी।

पर्यावरण शुद्धि – दिनोंदिन बढ़ने वाले प्रदूषण की आपदा से बचाव का मार्ग खोजना आज की महती आवश्यकता है। इसके लिए सबको एकजुट होकर इन विनाशकारी ताकतों से दो–दो हाथ करने होंगे। वृक्षों की रक्षा कर इस महान् एवं दुष्ट संकट से मुक्ति पाई जा सकती है। ये हानिकारक गैसों के प्रभाव को नष्ट करके प्राण वायु प्रदान करते है, भूमि के क्षरण को रोकते है एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करते हैं।

उपसंहार – पर्यावरण की सुरक्षा और उचित संतुलन के लिए हमें जागरुक और सचेत होना परम आवश्यक है। वायु, जल ध्वनि, भूमि तथा प्रकृति के प्रत्येक

अंश के प्रति हमारी जिम्मेदारी होती है कि हम उसका सदुपयोग करें एवं आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर पर्यावरण प्रदान करें। मनुष्य को अपनी अभिलाषाओं एवं प्रकृति की संवेदनाओं की बीच संतुलन बनाना ही होगा अन्यथा विनाश की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – – –